भटक रहे है दर दर हम | By Nisha Dviwedi

भटक रहे है दर-दर हम
ढूंढ रहे है तुम्हे कदम
कहा छुपे हो बाबा मुश्किल में हम
आ भी जाओ वरना रो देंगे हम

सुना है हमने लाखो पापी तुमने तार दिये
हारे हुये के साथ के खातिर तुम अवतार लिये
दुनिया करती बहुत सितम,जीवन मे है गम ही गम
अपनो को भी भूल चुके अब तो हम
आ भी जाओ वरना रो देगें हम....2

मेरे मोहन मेरे सांवरिया, तू ही आस मेरी
बन जायेगा बिगड़ा जीवन किरपा हो जो तेरी
ठोकर ऐसी खाई है, संग ना कोई सहाई है
तेरे रहम से पीड़ा जो हो गई कम
आ भी जाओ वरना रो देंगे हम..2

कैसे डूबे नाव हमारी ,तुम जो हो पतवार
तेरी नज़र में रहेंगे अब तो मेरे पालनहार
खाटु में बस जाना है,तुमको अपना माना है
रक्षा करना बालक है तेरे हम
आ भी जाओ वरना रो देंगे हम..2

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a4%9f%e0%a4%95-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%b9%e0%a4%ae-by-nisha-dviwedi/